1. जिला एवं **सत्र न्यायाधीश उत्तरकाशी**

क्षेत्रीय अधिकारिता	–		सम्पूर्ण उत्तरकाशी जनपद
दीवानी पक्ष	–	1	एक लाख से अधिक असीमित मूल्याकन के दीवानी वाद
		2	जज इन्शोलवेन्सी
		3	मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण
		4	पांच हजार से अधिक मूल्याकन के लघुवाद
		5	मध्यस्थ एवं सुलह अधिनियम के वाद
		6	चुनाव याचिका क्षेत्र पंचायत जिला पंचायत व नगरपालिका
		7	किराया नियत्रण व वेदखली रिवीजन व अपील
		8	गार्जियन एण्ड वार्डस ऐक्ट
		9	भूमि आज्ञप्ति सन्दर्भण वाद
		10	हिन्दु विवाह अधिनियम
		11	जनपद उत्तरकाशी के उत्तराधिकार अधिनियम के वाद।
अपील	–		दीवानी अपील मूल्याकन पाच लाख तक
फौजदारी पक्ष	–	1	भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत सत्र परीक्षण का क्षेत्राधिकार
		2	फौजदारी अपील
		3	फौजदारी निगरानी
विशेष न्यायाधीश		1	आवश्यक वस्तु अधिनियम
		2	अनुसूचित जाति व जनजाति (अत्याचार) निवारण अधिनियम
		3	स्वापक औषधी एवं मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम
		4	मिलावटी एवं नकली दवाओं से सम्बन्धित अधिनियम
		5	विद्युत अधिनियम की धारा 135 से 139 तक के विचारण

2. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/सिविल जज (सी0डि0) उत्तरकाशी

दीवानी पक्ष	–		जिला न्यायाधीश द्वारा हस्तान्तरित वादों का विचारण
क्षेत्रीय अधिकारिता	–		सम्पूर्ण उत्तरकाशी जनपद
फौजदारी पक्ष	–	1	भा0द0सं0 के अन्तर्गत 7 साल की सजा तक के वादों का विचारण
		2	आर्थिक अपराधों से सम्बन्धित वाद
		3	उत्तरप्रदेश शहरी भवन (नियंत्रण किराया और वेदखली) अधिनियम 1972 के अन्तर्गत विहित प्राधिकारी
		4	खाद्य अपमिश्रण अधिनियम के वादों का विचारण
		5	खनन अधिनियम के वाद
		6	भरण पोषण सम्बन्धी वाद

3. सिविल जज (जू0डि0)/न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तरकाशी

दीवानी पक्ष	–	1	एक लाख तक के दीवानी वादों के मूल्याकन तक का विचारण
		2	लघुवाद पांच हजार तक के वादों का विचारण
क्षेत्रीय अधिकारिता	–		तहसील भटवाडी, डुण्डा व चिन्यालीसौड के समस्त दीवानी एव लघुवाद
फौजदारी पक्ष	–	1	मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, उत्तरकाशी द्वारा हस्तान्तरित क्षेत्राधिकार थाना मनेरी एवं राजस्व क्षेत्र तहसील भटवाडी के समस्त फौजदारी वाद, तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तरकाशी द्वारा समय–समय पर हस्तान्तरित वादों का विचारण
		2	भा0द0सं0 के अन्तर्गत 3 साल की सजा तक के वादों का विचारण
		3	सम्पूर्ण जनपद के किशोर न्याय बोर्ड से सम्बन्धित वाद
		4	किराया नियन्त्रण वाद

4. सिविल जज (जू0डि0)/न्यायिक मजिस्ट्रेट पुरोला

दीवानी पक्ष	–	1	एक लाख तक के दीवानी वादों के मूल्याकन तक का विचारण
		2	लघुवाद पांच हजार तक के वादों का विचारण
क्षेत्रीय अधिकारिता	–		तहसील पुरोला, बडकोट तथा मोरी के समस्त दीवानी एव लघुवाद
फौजदारी पक्ष	–	1	मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, उत्तरकाशी द्वारा हस्तान्तरित क्षेत्राधिकार थाना पुरोला, तहसील मोरी व बडकोट के पुलिस चालानी वाद, तहसील पुरोला, मोरी व बडकोट के परिवाद वाद तथा अन्तर्गत धारा–125 द0प्र0सं0 के तहसील पुरोला, मोरी व बडकोट के वादों का विचारण

2	भा0द0सं0 के अन्तर्गत 3 साल की सजा तक के वादो का विचारण
3	उत्तरप्रदेश शहरी भवन (किराया नियत्रण और बेदखली) अधिनियम 1972 के अन्तर्गत विहित प्राधिकारी
4	किराया नियन्त्रण वाद